



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 21]

No. 21]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, फरवरी 27, 2003/फाल्गुन 8, 1924

NEW DELHI, THURSDAY, FEBRUARY 27, 2003/PHALGUNA 8, 1924

दी इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया

(कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत गठित)

अधिसूचना

प्रेक्टिसरत सदस्यों द्वारा अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने की अधिकतम सीमा

[कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की द्वितीय अनुसूची के भाग-II के खण्ड (2) के अनुसरण में]

(फरवरी 2003 की आई सी एस आई सं. 1)

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2003

सं. 1001/1/डी आर.— कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 (1980 का 56) की द्वितीय अनुसूची के भाग-II के खण्ड (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन्स्टीट्यूट ऑफ कम्पनी सेक्रेटरीज ऑफ इण्डिया की परिषद् एतद्वारा निर्दिष्ट करती है कि कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 383क की उपधारा (1) के परन्तुक के अनुसरण में अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने के लिए पात्र इन्स्टीट्यूट का कोई प्रेक्टिसरत सदस्य यदि 1 जनवरी, 2003 से आरम्भ एक कैलेंडर वर्ष में पचास कम्पनियों से अधिक कम्पनियों को अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करता है तो वह व्यावसायिक कदाचार का दोषी माना जाएगा।

किन्तु, शर्त यह भी है कि कम्पनी सचिवों की किसी फर्म के मामले में पूर्वोक्त पचास कम्पनियों की अधिकतम संख्या उस फर्म के प्रत्येक भागीदार पर लागू होगी जो कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 383क की उपधारा (1) के परन्तुक में निहित अनुपालन प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर करने का पात्र है।

1 जनवरी, 2003 को या इस तारीख के बाद हस्ताक्षरित किसी अनुपालन प्रमाणपत्र के लिए यह व्यवस्था लागू हो जाती है।

परिषद् की ओर से

पवन कुमार विजय, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/IV/121/2002/असा.]

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA**(Constituted under the Company Secretaries Act, 1980)****NOTIFICATION****Ceiling on Number of Companies to which members in practice can issue Compliance Certificate****[Pursuant to clause (2) of Part II of the Second Schedule to the Company Secretaries Act, 1980]****(ICSI No. 1 of February, 2003)****New Delhi, the 27th February, 2003**

No. 1001/1/DR.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of Part II of the Second Schedule to the Company Secretaries Act, 1980 (56 of 1980), the Council of the Institute of Company Secretaries of India hereby specifies that a member of the Institute in practice who is entitled to issue compliance certificate pursuant to proviso to Sub-section (1) of Section 383A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall be deemed to be guilty of professional misconduct if he issues compliance certificates to more than fifty companies, in a calendar year commencing from 1st January, 2003.

Provided, however, in the case of a firm of Company Secretaries, the ceiling of fifty companies aforesaid would apply to each partner therein who is entitled to sign the compliance certificate in terms of the proviso to Sub-section (1) of Section 383A of the Companies Act, 1956.

This becomes operative for any compliance certificate to be signed on or after 1st January, 2003.

By order of the Council

PAVAN KUMAR VIJAY, President

[ADVT III/IV/121/2002/Exty.]